



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 588]
No. 588]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 17, 1995/आश्विन 25, 1917
NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 17, 1995/ASVINA 25, 1917

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1995

आय-कर

का०आ० 842 (अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (बीसवीं-संशोधन) नियम, 1995 है ।
(2) ये 1 अप्रैल, 1995 से प्रवृत्त होंगे ।
- आय-कर नियम, 1962 के नियम 67 में, उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) उप-नियम (1) में निर्दिष्ट विनिधान की रीति निम्नलिखित है, अर्थात् :—

- | | |
|---|--|
| (i) केन्द्रीय सरकार की प्रतिभूतियों में | विनिधान योग्य धनराशि का पच्चीस प्रतिशत; |
| (ii) (क) किसी राज्य सरकार द्वारा अर्जित और जारी की गई लोक ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) के अधीन की धारा 2 में यथा—
परिभाषित सरकारी प्रतिभूतियों में; और/या | विनिधान योग्य धनराशि का पन्द्रह प्रतिशत; |
| (ख) किसी लोक वित्तीय संस्था या पब्लिक सेक्टर कम्पनी द्वारा जारी किए गए बंधपत्रों या जारी की गई प्रतिभूतियों के सिवाए, किन्हीं अन्य परक्राम्य प्रतिभूतियों में, जिनका मूलधन और | विनिधान योग्य धनराशि का पन्द्रह प्रतिशत; |

उन पर ब्याज केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा पूर्ण रूप से और बिना शर्त के प्रत्याभूत है;

- | | |
|--|--------------------------------------|
| (iii) केन्द्रीय सरकार की विशेष निक्षेप स्कीम में | विनिधान योग्य धनराशि का तीस प्रतिशत; |
| (iv) (क) किसी लोक वित्तीय संस्था या पब्लिक सेक्टर कम्पनी द्वारा जारी किए गए बंधपत्रों या प्रतिभूतियों में; और/या | विनिधान योग्य धनराशि का तीस प्रतिशत; |
| (ख) किसी पब्लिक सेक्टर बैंक द्वारा जारी किए गए निक्षेप प्रमाणपत्रों में | विनिधान योग्य धनराशि का तीस प्रतिशत; |

परन्तु जहां कोई धनराशि उप-नियम के खण्ड (i), खण्ड (ii) और खण्ड (iv) के अधीन विनिर्दिष्ट पूर्वतम विनिधान के परिपक्व होने पर प्राप्त की जाती है वहां, बाध्यकर निर्गमों को कम करके, ऐसी धनराशि इस उप-नियम में विनिर्दिष्ट विनिधान की रीति के अनुसार विनिधान की जाएगी :

परन्तु यह और कि जहां विशेष निक्षेप स्कीम के अधीन निक्षेपों के परिपक्व होने पर धनराशि और उस पर ब्याज प्राप्त किया जाता है वहां ऐसी धनराशि विशेष निक्षेप स्कीम के अधीन विनिधान की जा सकेगी और उसी प्रकार इस उप-नियम के खण्ड (i), खण्ड (ii) और खण्ड (iv) के अधीन विनिर्दिष्ट विनिधानों पर प्राप्त ब्याज को उसी प्रकार के विनिधान में पुनः विनिधान किया जा सकेगा:

परन्तु यह भी कि 31 मार्च, 1995 के पश्चात् किन्तु इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख को या उससे पूर्व इस निमित्त प्रवृत्त विनिधान की रीति के अनुसार, 1 अप्रैल, 1994 से 31 मार्च, 1995 तक विनिधान की गई कोई रकम इस उप-नियम में विनिर्दिष्ट रीति से विनिधान की गई समझी जाएगी ।

स्पष्टीकरण 1 :—इस उप-नियम में विनिर्दिष्ट विनिधान की रीति पूर्व वर्ष में निधि की विनिधान योग्य धनराशि की सकल रकम को लागू होगी ।

स्पष्टीकरण 2 :—इस उप-नियम के प्रयोजन के लिए,—

- (i) "लोक वित्तीय संस्था" पद का वही अर्थ होगा जो कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4क में है;
- (ii) "पब्लिक सेक्टर कम्पनी" पद का वही अर्थ होगा जो आय-कर अधिनियम, की धारा 2 के खण्ड (36क) में है; और
- (iii) "पब्लिक सेक्टर बैंक" पद का वही अर्थ होगा जो आय-कर अधिनियम, की धारा 10 के खण्ड (23घ) में है ।"

[फा सं 149/19/93-टी पी एल/9892]

अनिरुद्ध कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES
NOTIFICATION
 New Delhi, the 17th October, 1995
Income-Tax

S.O. 842 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Twentieth Amendment) Rules, 1995.
 (2) They shall come into force with effect from the first day of April, 1995.
2. Income-tax Rules, 1962, in rule 67, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(2) The manner of investment referred to in sub-rule (1) is the following, namely :—

(i) in Central Government Securities	Twenty--five per cent of the investible moneys;
(ii) (a) in Government Securities as defined in section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944), created and issued by any State Government; and/or	Fifteen per cent of the investible moneys;
(b) in any other negotiable securities, the principal whereof and interest whereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government or any State Government except bonds or securities issued by a public financial institution or a public sector company;	Fifteen per cent of the investible moneys;
(iii) in Central Government Special Deposit Scheme	Thirty per cent of the investible moneys;
(iv) (a) in bonds or securities issued by a public financial institution or a public sector company; and/or	Thirty per cent of the investible moneys;
(b) in a certificates of deposits issued by a public sector bank	Thirty per cent of the investible moneys;

Provided where any moneys are received on the maturity of earlier investment specified under clause (i), clause (ii) and clause (iv) of this sub-rule, such moneys, reduced by obligatory outgoings, shall be invested in accordance with the manner of investment specified in this sub-rule :

Provided further where moneys are received on maturity of deposits under Special Deposit Scheme and interest thereon, such moneys may be invested under the Special Deposit Scheme and, similarly, interest received on investments specified under clause (i), clause (ii), clause (iv) of this sub-rule may be re-invested in the same type of investment :

Provided also that any amount invested after 31st day of March, 1995, but on or before the date of issue of this notification in accordance with the manner of investment in force in this behalf from 1st day of April, 1994 to 31st day of March, 1995 shall be deemed to have been invested in the manner specified in this sub-rule.

Explanation 1 :—The manner of investment specified in this sub-rule shall apply to the aggregate amount of investible moneys with the fund in the previous year.

Explanation 2 :—For the purposes of this sub-rule,—

- (i) the expression "public financial institution" shall have the meaning assigned to it in section 4A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (ii) the expression "public sector company" shall have the meaning assigned to it in clause (36A) of section 2 of the Income-tax Act; and
- (iii) the expression "public sector bank" shall have the meaning assigned to it in clause (23D) of section 10 of the Income-tax Act."

[F. No. 149/19/93-TPL/9892]
ANIRUDDHA KUMAR, Under Secy.

